(b) the amount spent annually thereon and the amount spent for purchase of clothes and stiching separately;

(c) whether there is an approved formula for the purchase of clothes and stitching thereof;

(d) whether there is any complaint from the employees that stiching of the uniforms is not done properly; and

(e) if so, whether Government propose to supply cloth and giving stiching charges or paying some amount as uniform allowance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) A statement is given in the annexure *[See Appendix 180 annexure No. 18]*.

(b) the information is being collected and will be laid on the table of the Sabha.

(c) Yes, Sir. Purchase of cloth and stiching thereof is done in accordance with the provisions contained in the report of the Uniforms Committe, 1980.

(d) There are a few complaints regarding stiching of uniforms they are looked into and remedial action is taken by the Railways.

(e) At present there is no such proposal with this Ministry.

Expansion of Rail Coach Terminals

860. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to expand some rail coach terminals in the country;

(b) whether any coach terminal on the South Eastern Railway is proposed to be expanded in 1997-98; and

(c) if so, the steps taken for the expansion of Bhubaneswar coach terminal for which the proposal has been pending since long?;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The work of development of coaching complx at Bhubaneswar at a cost of Rs. 1.7 crore is in progress and will be completed by March 1997.

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में यात्री डिब्बों की बिक्री

861. **श्री अजीत पी० के० जोगी**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में यात्री डिब्बों की बिक्री करने की कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन डिब्बों के निर्यात के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानक संगठन से प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

रेल मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) जी हां, यात्री सवारी डिब्बों सहित चलस्टाक के निर्यात को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है और जोरदार विपणन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करने का विनिश्चय किया गया है। भारतीय रेल ने इस दिशा में निम्नलिखित कदम उठाए हैं.

1. सभी निर्यात से संबंधित पूछताछों को निपटाने केवल एक खिड़की से सुनिश्चित करने के लिए एक नोडल अधिकारी को नामित किया गया है।

2. राइट्स और इरकान, भारतीय रेल की स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों, को निर्यात एजेंट के रूप में नामित किया गया है।

3. निर्यात संवर्धन समिति का गठन किया गया है।

(ग) यात्री सवारी डिब्बों सहित रेलवे चलस्टाक का ग्राहक की विशिष्टियों के अनुसार निर्माण किया जाता है। बहरहाल, एक यात्री सवारी डिब्बा निर्माण इकाई-सवारी डिब्बा कारखाना, मद्रास ने अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन (आई एस ओ) प्रमाणपत्र पहले ही प्राप्त कर लिया है। दूसरी इकाई-रेल सवारी डिब्बा कारखाना कपूरथला